मीडिया विज्ञप्ति

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) का 22वां दीक्षांत समारोह संपन्न

- तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल श्री आर एन रवि ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई
- 54 विद्यार्थियों को डिप्लोमा एवं फेलो प्रदान किए गए

अहमदाबाद, 4 अगस्त, 2023: भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की मान्यता प्राप्त एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने शुक्रवार को अपना 22वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। समारोह में 54 विद्यार्थियों को डिप्लोमा और फेलो प्रदान किए गए, जिनमें 52 स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रबंधन में दो फेलो शामिल थे। भव्य समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल श्री आरएन रवि शामिल हुए। श्री रवि ने स्नातक छात्रों को शैक्षिक पदक प्रदान किए और दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, एमएसएमई, नवाचार और समावेशी विकास के प्रमुख क्षेत्रों में ईडीआईआई के 40 वर्षों के काम को रेखांकित किया। डॉ. शुक्ला ने सरकारी मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ प्रसिद्ध कॉरपोरेट्स के सहयोग से नीति निर्माण और अनुकरणीय विकास मॉडल के क्षेत्र में ईडीआईआई की उपलब्धियों के बारे में बात की, जिनसे उद्यमों की स्थापना, राजस्व सृजन और रोजगार सृजन हुआ।

मुख्य अतिथि, श्री आरएन रवि ने वर्तमान युग में मौजूद अनेक अविश्वसनीय अवसरों पर रोशनी डालते हुए स्नातक छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा, "आप ऐसे उपयुक्त समय पर ग्रेजुएट हो रहे हैं जब देश व्यापक क्रांतिकारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। यह युग हममें से प्रत्येक के लिए अनंत नए अवसर सामने लेकर आ रहा है। जरूरत इस बात की है कि आप अपने भाग्य का पता लगाएं और ऊंची उड़ान भरें। आज पूरा देश एक बड़ा परिवार है और देश की हर समस्या का समाधान समग्रता से किया जा रहा है। देश की विविधता ने ही हमें एक खास पहचान प्रदान की है। देश अपने युवाओं को उनकी ऊर्जा और क्षमता का दोहन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है; यह एक ऐसा सिस्टम बना रहा है जहां युवा तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। आज भारत एक लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। यह केवल हमारे युवाओं की उद्यमशील भावना के कारण संभव हुआ है। मुझे यकीन है कि युवाओं की यह रचनात्मक शक्ति भारत को दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाएगी। भारत सतत विकास की राह पर है; इसलिए आप सभी इस अनूठे भारत का हिस्सा बनें और बदलाव का नेतृत्व करें।"

छात्रों को सलाह देते हुए मुख्य अतिथि ने कहा, "आप राष्ट्रीय संपत्ति हैं इसलिए स्वस्थ रहें, बड़े सपने देखें और अपना आत्मविश्वास कभी न खोएं। आप दुनिया पर विजय प्राप्त करेंगे और राष्ट्र का निर्माण करेंगे।"

ईडीआईआई के प्रेसिडेंट और आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ श्री राकेश शर्मा ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लाभों और ईडीआईआई के पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों ने ऐसे सफल उद्यम स्थापित किए हैं जो लीक से हटकर चलने के लिए प्रशंसा और ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इनमें से कुछ उद्यम लिस्टेड उद्यम हो गए हैं। माननीय प्रधानमंत्री से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री और अन्य प्रसिद्ध दिग्गजों से संस्थानों के पूर्व विद्यार्थियों को सलाह मिलती रही है। मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक लोग उद्यमी होने के लाभों का पता लगाने के लिए आगे आएं और जानें कि कैसे वे अपने उद्यम स्थापित करना सीख सकते हैं और सही निर्णयों के साथ सफल हो सकते हैं।'

कार्यक्रम का समापन ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

--- --- ---------------------
-

दीक्षांत समारोह में, मेधावी विद्यार्थियों के पुरस्कारों के साथ-साथ बिजनेस एंटरप्रेन्योर व सोशल एंटरप्रेन्योर का प्रेसिडेंट एल्युमनी अवॉर्ड भी दिया गया।

पुरस्कार विजेताओं में शामिल हैं:

- ईडीआईटी प्रेसिडेंट एल्युमनी अवॉर्ड 2023-बिजनेस एंटरप्रेन्योर- श्री विवेक कटारूका, डायरेक्टर, केमशेल, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल - सीडलैक और एल्यूरिटीक एसिड के दुनिया के मुख्य निर्माता।
- ईडीआईटी प्रेसिडेंट एल्युमनी अवॉर्ड 2023-सोशल एंटरप्रेन्योर- श्री तपन कुमार घोष, कच्छ एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, भुज के मैनेजिंग डायरेक्टर और इकोसेल के मैनेजिंग पार्टनर (खजूर के पौधों और उत्पादों के व्यापार में)।
- मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण एवं रजत पदक प्रदान किए गए।

<u>About Entrepreneurship Development Institute of India (EDII)</u>

The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad was set up in 1983 as an autonomous and not-for-profit Institute with support of apex financial institutions - the IDBI Bank Ltd., IFCI Ltd., ICICI Bank Ltd. and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged twenty-three acres of land on which stands the majestic and sprawling EDII Campus. EDII has been recognized as the CENTRE OF EXCELLENCE by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of India. The Institute has also been listed as the

Institute of National Importance by the Education Department, Govt. of Gujarat. For more information visit: www.ediindia.org

For more information, contact:

Nirupam Banerjee, Adfactors PR: 9825984727
HiralOza, Adfactors PR: 7043901987